समदृष्टी क्षमता विकास एवं
अनुसंधान मंडळ, नाशिक
सक्षम
राष्ट्रीय संगठन – विकलांगों के विकास हेतु समर्पित

उमिया अपार्टमेंट,
दुसरा मजला, डॉ. हेडगेवार चौक, कॅनडा कॉर्नर,
नाशिक – ४२२००१.
रजि. नं. एम.ए.एच. ६५४/२००८

श्री. बाळासाहेब अहिरे – (संरक्षक)
- अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य
  श्री. रघुनाथ विसपुते
  ९४२०४८४१९४
- अध्यक्ष नाशिक शाखा
  श्री. रविंद्र दीक्षित
  ९८५००५९८७०
- उपाध्यक्ष :
  श्री. राजाराम गायकवाड
  ०२५३ – २४६१२२८
- सचिव :
  श्री. दिवाकर मुजुमदार
  ९४२३१७३०७८
- सहसचिव :
  श्री. अरविंद देशपांडे
  ९८६०९५४९०१
- कोषाध्यक्ष :
  श्री. प्रकाश देशपांडे
  ९४२२२४७४७४
- सहकोषाध्यक्ष
  श्री. अशोक सोनवणे
  ७३५००१७१५७
- कार्यकारिणी सदस्य :
  श्री. अनिल खांडकेकर
  (रोजगार प्रकल्प प्रमुख)
  ९४२२७३५२७७
  श्री. हेमंत गोखले
  (प्रचार व संपर्क प्रमुख)
  ९६५७३४५५४३
  श्री. निळकंठ पिसोळकर
  (प्रमुख-संगणक कक्ष/प्रशिक्षण)
  ९४२३४७७७४८
  श्री. सुभाष प्रधान
  ९८९०२६६८६०
  सौ. अंजली नारायणे
  ९२७००५६७५४
  श्री. सुधाकर देशपांडे
  ९४२२२५२९७३
  श्री. दिलीप देशमुख
  ९८२३५०२१३५
- कार्यालय प्रमुख
  श्री. श्रीकांत कुलकर्णी
  ९८८१७६८७८९
- निमंत्रित
  डॉ. धनंजय देशमुख
  (श्री गुरुजी रुग्णालय)
  ९४२०१९५२७२
  श्री. संदेश नारायणे (संरक्षक)
  ९२७००५६७५३

जा. क्र. : २०१८/७५ दिनांक : १४/३/२०१८

सक्षम,
केंद्रीय कार्यालय,
नागपूर.

सक्षम, नाशिक शाखाकी ओर से विकलांक जनोंके लिये जो कुछ विशेष कार्यक्रम किये जाते हैं उनमेंसे एक है 'अनुभूती यात्रा' । किसी ऐतिहासिक या धार्मिक महत्त्वप्राप्त स्थल की जानकारी दिव्यांग सदस्योंको देकर उन्हे इस स्थलकी प्रत्यक्ष यात्रा कराना ऐसा इस उपक्रमका स्वरूप होता है। ऐसी जगहोंपर जाकर इन दिव्यांग जनोंको जो अनुभूती प्राप्त होती है, जो आनंद मिलता है वह अवर्णनीय ऐसाही होता है।

इस वर्ष ९ और १० मार्च २०१८ को सक्षम, नाशिक शाखाके अस्थिव्यंगबाधित, गतिमंद, श्रवणबाधित, मूकबधीर इस प्रकारके १० बालक-बालिकाओंको उनके पालकोंके साथ छत्रपती शिवाजी महाराज का प्रख्यात दुर्ग रायगड तथा रामदास स्वामीने जहाँ १२ वर्ष रहकर 'दासबोध' नामक अजरामर ग्रंथ की रचना की थी ऐसे स्थलोंकी यात्रा कराई । इन दो विख्यात स्थलोंके साथही पाली गांव स्थित श्रीबल्लाळेश्वर गणेश दर्शन तथा दुर्ग रायगडकी सतहपर स्थित पाचाड गांव में निर्मित छत्रपती शिवाजी महाराजकी मातोश्री पुण्यश्लोक जिजाऊ माताके समाधीका दर्शन करनेका सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जैसा की हम सब जानते हैं की दुर्गराज रायगड ये वो जगह है जहाँपर शिवाजी महाराजने मुघल, आदिलशहा, निजामशहा, पोतुगीज, इंग्रज और सिद्दी जैसे मातब्बर शत्रुओंको मात देकर स्वयंको विधिवत हिंदवी स्वराज्यके 'छत्रपति' के रूपमें घोषित किया था । काशीक्षेत्रके सुप्रसिद्ध विद्वान पंडित गागाभट्ट इनके हाथों यह राज्याभिषेक ६ जून १६७४ को संपन्न हुआ था । विजयनगरके बलाढ्य हिंदू साम्राज्यके नष्ट होनेके पश्चात् १५० वर्षोंके बाद किसी हिंदू राजाको ऐसा राज्याभिषेक होनेका यह पहला अवसर था।

शिवथरघळ रायगडसे ५० कि.मी. दूरीपर सह्याद्रीके एक प्रचंड पर्वतश्रृंखलामें निसर्गनिर्मित १०० X ५० आकार की एक गुंफा है । शिवाजी महाराजके गुरु श्रीसमर्थ रामदास स्वामीने इस गुंफामें १२ वर्ष वास्तव्य कर जीवनका तत्त्वज्ञान सहजतासे वर्णन करनेवाले 'दासबोध' नामक आध्यात्मिक महाकाव्यकी रचना की थी। शिवाजी महाराज का यथार्थ वर्णन रामदास स्वामीने इन पंक्तियोंमें किया था –

(...कृपया आगे देखें)

समदृष्टी क्षमता विकास एवं
अनुसंधान मंडळ, नाशिक
सक्षम
राष्ट्रीय संगठन – विकलांगों के विकास हेतु समर्पित

उमिया अपार्टमेंट,
दुसरा मजला, डॉ. हेडगेवार चौक, कॅनडा कॉर्नर,
नाशिक – ४२२००१.

रजि. नं. एम.ए.एच. ६५४/२००८

श्री. बाळासाहेब अहिरे – (संरक्षक)
- अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य
  श्री. रघुनाथ विसपुते
  ९४२०४८४१९४
- अध्यक्ष नाशिक शाखा
  श्री. रविंद्र दीक्षित
  ९८५००५९८७०
- उपाध्यक्ष :
  श्री. राजाराम गायकवाड
  ०२५३ – २४६१२२८
- सचिव :
  श्री. दिवाकर मुजुमदार
  ९४२३१७३०७८
- सहसचिव :
  श्री. अरविंद देशपांडे
  ९८६०९५४९०१
- कोषाध्यक्ष :
  श्री. प्रकाश देशपांडे
  ९४२२२४७४७४
- सहकोषाध्यक्ष
  श्री. अशोक सोनवणे
  ७३५००१७१५७
- कार्यकारिणी सदस्य :
  श्री. अनिल खांडकेकर
  (रोजगार प्रकल्प प्रमुख)
  ९४२२७३५२७७
  श्री. हेमंत गोखले
  (प्रचार व संपर्क प्रमुख)
  ९६५७३४५५४३
  श्री. निळकंठ पिसोळकर
  (प्रमुख–संगणक कक्ष/प्रशिक्षण)
  ९४२३४७७७४८
  श्री. सुभाष प्रधान
  ९८९०२६६८६०
  सौ. अंजली नारायणे
  ९२७००५६७५४
  श्री. सुधाकर देशपांडे
  ९४२२२५२९७३
  श्री. दिलीप देशमुख
  ९८२३५०२१३५
- कार्यालय प्रमुख
  श्री. श्रीकांत कुलकर्णी
  ९८८१७६८७८९
- निमंत्रित
  डॉ. धनंजय देशमुख
  (श्री गुरुजी रुग्णालय)
  ९४२०१९५२७२
  श्री. संदेश नारायणे (संरक्षक)
  ९२७००५६७५३

(पीछे से शुरू...)

निश्चयाचा महामेरू । बहुत जनांसी आधारू ।
अखंड स्थितीचा निर्धारू । श्रीमंत योगी ।।

यात्रामें जिन विशेष बालकोंने सहभाग लिया था उनमेंसे एक पोलिओबाधित बालिका 'सायली' है जिसने राज्यस्तरीय तथा राष्ट्रस्तरीय जलतरण स्पर्धाओंमें अनेक पुरस्कार प्राप्त किये हैं। कर्णबधीर बालिकाओंमेंसे एक 'आदिती' नामकी बालिका प्रख्यात नृत्यविशारद रेखा नाडगौडा इनके द्वारा कथ्थक नृत्यका अध्ययन कर रही है। आदितीका पदलालित्य प्रशंसनीय है। अन्य एक बालक 'विजय' भी नृत्यप्रवीण है, जिसका टी.व्ही. चैनलोंपर भी कार्यक्रम हुआ था। अन्य बालक विकलांग रहते हुए भी किसी प्रकारकी सहूलत लिये बिना दसवी, बारहवी कक्षाओंमें अन्य छात्रों जैसे ही विषय लेकर उच्च श्रेणीमें उत्तीर्ण हुए हैं।

उपर निर्देश किये हुए स्थलोंका दर्शन करते समय इन विशेष बालकोंके चेहरोंपर जो आनंद खिल रहा था उसका वर्णन करना केवल कठीन है। उनके लिये ऐसे अवसर कौन प्राप्त कराएगा ? यह एक ज्वलंत तथा उग्र प्रश्न है। ऐसा कहना उचित होगा की सामाजिक कार्य करनेवाली संस्थाओंकाही यह दायित्व है यह निर्विवाद।

आपके,

दि. मुजुमदार

अध्यक्ष
सक्षम, नाशिक

सचिव
सक्षम, नाशिक